CHAPTER 1, अंडे के छिलके

PAGE 21, प्रश्न - अभ्यास

11:1:1:प्रश्न - अभ्यास :1

1. अंडे छिलके को जुराब में ,कोट की जेब में या नाली में फेंकना बिल्कुल ठीक नहीं। इस पर अपनी राय लिखिए।

www.dreamtopper.in

उत्तर : अंडे के छिलके को स्टॉकपाइप में, कोट की जेब में या नाली में फेंकना हंसी की बात है। लेकिन अगर हमें कोई राय देनी है, तो यह कहा जा सकता है कि अंडे का छिलका घर में ज्यादा समय रखने पर ये बदबू और कीड़ो की उत्पत्ति का कारण बनता है। जिससे घर में बदबू फैल जाती है और कीड़ो के

कारण घर में बीमारीया भी फ़ैल सकती है। उन्हें किसी भी मामले में जुराब और कोट की जेब में डालना बेवकूफी है क्योंकि हम दुबारा उस जुराब या उस कोट का उपयोग नहीं कर सकते।यदि उपयोग किया जाता है, तो लोगों को उसकी दुर्गंद सहन नहीं हो पायेगी और नाली में फेंकी जाने वाली चीज इसलिए नहीं है क्योंकि अंडे के छिलके पिघलते नहीं हैं, वे नाली को जाम कर देंगे और नाली का गंदा पानी बहना बंद हो जाएगा और गंदगी और क्षय में वृद्धि होगी। बेहतर होगा कि अंडे के छिलकों को उचित स्थान पर फेंका जाए, पहले उन्हें घर के कूड़ेदान में रख दिया जाए और फिर उसे सफाई वाले को दे दिया जाए ताकि वह उसे उचित स्थान पर फेंके सके।

www.dreamtopper.in

11:1:1:प्रश्न - अभ्यास :2

2. अंडा खाना क्या कोई अपराध है ?इस पर निबंध लिखिये

उत्तर : कुछ ऐसा खाना जो आमतौर पर लोग खाते हैं, वह अपराध नहीं हो सकता है। उस चीज को नापसंद करना अलग बात है, लेकिन खाना कोई अपराध नहीं है। अंडा एक ऐसा भोजन है जिसने खाने वालों की एक अलग श्रेणी बना दी है। शाकाहारी लोग अंडे नहीं खाते हैं, पर मांसाहारी सभी अंडे खाते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी लोग हैं जो शाकाहारी होते हैं, लेकिन वे अंडे जरूर खाते हैं, इसलिए अब खाने वालो की तीन श्रेणियां हैं: शाकाहारी, मांसाहारी और अंडाहारी। बहुत से लोग अभी भी अंडे को मांसाहारी के रूप में गिनते हैं और

www.dreamtopper.in

उनके अनुसार, मांसाहारी जानवरों को मार रहे हैं और जानवरों को मारना एक पाप है, इसलिए वे अंडे खाने को पाप मानते हैं। लेकिन देखा जाये तो अंडा एक दैनिक आवश्यकता बन गई है, अंडा पूरी दुनिया में किसी भी सब्जी और फल से अधिक खाया जाता है। अगर हम कहें कि अंडा राष्ट्रीय और अंतरास्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला खाद्यपदार्थ है तो यह बिल्कुल भी गलत नहीं होगा, इसलिए शांत रहें और ढेर सारे अंडे खाएं, यह प्रोटीन और वसा से भरपूर होता है और यह भी नहीं है की ये शरीर के लिए हानिकारक है। इसलिए अंडा खाना कोई पाप नहीं है,और कोई अपराध नहीं है।

www.dreamtopper.in

11:1:1:प्रश्न - अभ्यास :3

3. "पराया घर तो लगता ही है भाभी "अपनी भाई - भाभी के कमरे में श्याम को परायेपन का अहसास क्यों होता है?

उत्तर : इस कथन के अनुसार अगर देखा जाये तो श्याम शुरू से ही बहुत लापरवाह किस्म का लड़का रहा है। और उसका बड़ा भाई गोपाल भी उसी की तरह लापरवाह था। जैसे श्याम का कमरा आज इतना अस्त-व्यस्त,गन्दा और बिखरा- बिखरा रहता है ठीक उसी प्रकार गोपाल का कमरा भी शादी से पहले पूरी तरह अव्यवस्थित, बिखरा हुआ और गन्दा रहा करता था। लेकिन जब से गोपाल की शादी हुई है उसके बाद उनकी पत्नी वीना कमरे का पूरा रूप रेखा ही बदल दिया है उसकी देखरख में कमरे की

www.dreamtopper.in

किस्मतही चमक गई है,जो कमरा हमेंशा बिखरा रहता था अब उसी कमरे की काया पलट चुकी है,हर कुछ व्यवस्थित, सुन्दर और साफ़ तरीके से रखा हुआ है, जूते, मोज़े, कपड़े, किताबें और हर एक सामान अपनी-अपनी सही जगह पर रखे हुए है जो कभी कचरा नज़र आता था अब उन्हें कोई भी कचरे की शक्ल नहीं दे सकता।वो कमरा अब बहुत खूबसूरत दिख रहा है और बिलकुल नया प्रतीत होता है ऐसा लगता है जैसे ये उसके भाई का कमरा कभी था ही नहीं, और फिर जिस तरह के कमरे को देखने की आँखों और मन को आदत पड़ी है,वो कमरा अब बिलकुल वैसा नहीं दिखता श्याम को विश्वास ही नहीं होता की ये उसके भाई का कमरा है उसे तो समय लगेगा फिर से स्वीकार करने में विश्वास करने में? इसलिए श्याम को भाई-भाभी के

www.dreamtopper.in

कमरे को देख परायेपन का अहसास होता है।

11:1:1:प्रश्न - अभ्यास :4

4. एकांकी में अम्मा की जो तस्वीर उभरती है अंत में बिल्कुल बदल जाती है -टिप्पणी कीजिये।

उत्तर : शुरुआत के आरम्भ में अम्मा जी की जो तस्वीर बनती है, उससे ये दर्शाया जाता है कि उनका पूरा घर उनके इशारों पर नाचता है और उनकी ही इच्छाओं के विरुद्ध कुछ नहीं होता है , इस तरह हर बात में रोक टोक करने के कारण घर के सारे सदस्यो को आपसी एकता में बंध कर एक दूसरे के राज की राजदारी करनी पड़ती है और फिर अपनी छोटी छोटी इच्छाओ की पूर्ति करनी पड़ती है

www.dreamtopper.in

जिससे अम्मा जी को कोई दुःख न पहुंचे और उनकी हर इच्छा पूरी तरह माननी भी न पड़े। और अपनी इच्छा के अनुसार भी कुछ कर सके। आरम्भ माहौल बना है उस के अनुसार घर में अंडा खाना तो क्या उसका नाम भी लेना महा पाप है। चंद्रकांता जैसी किताब पढ़ना और सिगरेट पीना भी गलत बात है ऐसे में पाठकों को लगता है कि अम्मा जी एक रूढ़िवादी सोच वाली और अपने हिसाब से घर का नियम बनाने और चलाने वाली महिला हैं। जिसके कारण सबको कुछ काम छुप-छुपा कर करने पड़ते हैं।

लेकिन अंत तक आते आते माधव भैया के कथन से सब के चेहरे के भाव उड़ जाते है और सब स्तब्ध हो जाते है की कौन क्या कर रहा है अम्मा जी सब कुछ जानती है और वो आगे कहते है अम्मा जी

www.dreamtopper.in

उनकी भी सारी बाते जानती है जिसे वो अब तक समझते थे की "वो नहीं जानती। "

तब पाठकों के सामने अम्मा जी की जो तस्वीर सामने आती है वह पूजनीय और अति आदरणीय छवि है, एक पीढ़ी पहले की, वह भी एक महिला होने के बावजूद उनके सामंजस्य बिठाने का अंदाज़ अतुलनीय है। अम्मा जी इतनी सुलझी हुई है की उन्हें अपने हर बच्चे के बारे में पता रहता है की 'कौन कहाँ है' कौन अंडे खता है कौन अंडे के छिलके कहाँ फेकता है कि कौन सिगरेट पीता है और कौन रामायण का नाम लेकर चन्द्रकान्ता संतति पढ़ता है कौन किसके कौन से राज़ की छिपा रहा है, बावजूद इसके वे समझदारी से इन कामों के प्रति उपेक्षा का भाव रखती हैं। उन्हें पता है की अगर वो उन सारे बातो का उजागर करेंगी और बच्चो को ये सब करने

www.dreamcopper.in

के लिए रोकेंगी ,तो बच्चो में जो उनके प्रति सम्मान और डर है वो ख़त्म हो जायेगा। वो बच्चो में अपने प्रति सम्मान को बनाये रखना चाहती है कम से कम वो उनके डर से सरे काम छुपा कर तो करते है लेकिन अगर वे कुछ कहती हैं, तो उनका डर निकल जाएगा और वे सारे काम खुलकर करने लग जायेंगे। इसलिए वे चुप रहकर और कुछ बातों को नज़र अंदाज़ करती हुई परहेज़ से चलती हैं और उनके मन में उस डर को कायम रहने देती हैं।

www.dreamtopper.in

11:1:1:प्रश्न - अभ्यास :5

5. अंडे खाना , चंद्रकांता संतिति, पढ़ना आदि किन्ही संदर्भो में गलत नहीं है , फिर भी नाटक के पात्र इन्हे छिपकर करते है। क्यों ? आप उनकी

जगह होते तो क्या करते ?

उत्तर : आज के समय में अंडा खाना ,सिगरेट पीना ,चंद्रकांता संतति पढ़ना भले ही गलत नहीं समझा जाता हो पर किसी समय इसे गलत माना जाता था। आज के समय में भी शाकाहारी परिवार में अंडे को मांसाहारी माना जाता है और घर में इसका प्रवेश वर्जित रहता है। इस नाटक में पात्रो द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है की घर में अंडा खाना मना है यानि परिवार शुद्ध शाकाहारी है। और उसी तरह चंद्रकांता को भी एक तिलस्मी किताब माना जाता था। जिस में तरत -तरह के जादू ,टोटके ,छल ,प्रेम की कहानी का वर्णन था। और ऐसी किताबे संस्कार , शिक्षा ,मार्गदर्शन नहीं दे सकती थी। और जहाँ तक सिगरेट की बात की जाये तो ये आज के समय

www.dreamtopper.in

में भी गलत माना जाता है ,क्यों की सिगरेट पिने से प्राणघातक बीमारियाँ होती है। इसलिए आज भी सभी परिवार वाले यही चाहते है की बच्चे इसका प्रयोग न करे।

'और घर के पात्रो द्वारा प्रतिबंधित कार्य छिपा कर करने के निम्न कारण हो सकते है "

(१) परिवार के सभी सदस्य घर के नियमो को जानते थे। वे बड़ो की सोच का आदर करते थे और उनका मान रखने के लिए वो सारे काम छिप कर करते थे जिसकी घर में मनाही थी।

www.dreamtopper.in

(२) उन्हें लगता था की अगर अम्मा इन सारी बातो को जान गयी तो वो घर में बवाल कर देंगी। जिससे

घर में तनाव पैदा हो जायेगा। इसलिए इन कार्यो को छिप के करने में ही भलाई है।

(३) घर वालो को अम्मा के प्रति बड़ा सम्मान और प्रेम था वो उनका आदर करते थे। उन्हें लगता था की माँ पुरानी सोच वाली रूढ़िवादी महिला है। जो नयी बिचारधारा के इस परिवर्तन को नहीं समझ पाएंगी और बड़ा दुखी होंगी।

(४) माँ के सम्मान को कोई ठेस न पहुंचे इसलिए घर के सारे सदस्य एक दूसरे के राज की राजदारी करते थे। अम्मा की नज़र में घर के नियमो को तोड़ना पाप था। अपनी अम्मा के नियमो का सम्मान करते हुए वो सारे वो काम जो घर में गलत

www.dreamtopper.in

माने जाते थे छिप छिपा कर करते थे।

यदि मैं भी उन पात्रो की जगह होता तो शायद वही करता जो घर के सदस्य करते थे क्यों की किसी भी घर में बड़ो का आदर और सम्मान बहुत जरुरी होता है घर के बड़ो से ही हमें प्राथमिक ज्ञान और संस्कार मिलते है इसलिए उनके सामने ऐसा कोइ काम नहीं करना चाहिए जो उनकी नज़र में गलत हो।

www.dreamtopper.in

11:1:1:प्रश्न - अभ्यास :6

6. राधा के चरित्र की ऐसी कौन सी विशेषताएँ हैं जिन्हे आप अपनाना चाहेगें ?

उत्तर : इस एकांकी में राधा का जो चरित्र उभर कर

सामने आया है, वह बहुत ही उज्जवल और प्रेरक है, उसके चरित्र की निम्नलिखित विशेषताएं मैं अपनाना चाहूँगा:

इस इकाई में राधा का जो चरित्र उभर कर आया है, वह बहुत उज्ज्वल और प्रेरणादायक है, अगर मुझे उनके चरित्र की निम्नलिखित विशेषताओं को अपनाने का मौका मिला तो मैं इन विशेषताओं को अपनाना चाहूंगा :

1. राधा एक गंभीर स्वभाव वाली महिला हैं, उनके स्वभाव में कोई बचकानापन नहीं है। घर में कौन क्या करता है, इसकी सारी जानकारी के बावजूद वह किसी को कुछ नहीं बताती। इससे पता चलता है कि वह एक गंभीर और प्रकृतिक महिला हैं।
2. राधा गंभीर होने के अलावा बहुत समझदार

www.dreamtopper.in

और सुलझी हुई महिला है। उनके पास हर प्रस्थिति को संभालने की क्षमता है. वह स्थिति के अनुसार तुरंत सही निर्णय लेना जानती है। वह सब जानते हुए भी दूसरों की गलतियों को भी छिपाती हैं। कठिनाई का सामना करने के लिए वह खुद आगे आती है। गलत कार्यों के लिए दूसरों को दोष नहीं देती है। जो भी स्थिति हो सकती है, वह काम करती है।

3. राधा अपने परिवार की जिम्मेदारियों को पूरा करने के साथ-साथ पढ़ने की इच्छा भी पूरी करती है, सब के सोने के बाद वो मोमबत्ती जलाती है और पढ़ती है वह जो भी पढ़ती है उसमें सही और गलत का मंथन करती है।, इसलिए पौराणिक कथाओं से लेकर तिलिस्म कथा तक के चरित्रों पर मंथन किया और सही

www.dreamtopper.in

,गलत का समझ भी किया।

4. राधा का चरित्र बहुत भाऊक है। वो अंदर से मुलायम और ऊपर से कठोर है। उनके पास परिवार चलाने और उसे संभाल के रखने की अटूट छमता है।

11:1:1:प्रश्न - अभ्यास :7

7. अण्डे का छिलका अनुपयोगी या कूड़ा समझा जाता है तो इसे कहाँ रखा जाना चाहिए ?क्या स्वच्छता अभियान मिशन का इस पाठ से कोई सम्बन्ध हैं ?

www.dreamtopper.in

उत्तर : ये बात तो सही है ,किअंडे के छिलके को बेकार या कचरा समझा जाता है, क्यों कि इसका

उपयोग आम जीवन में कुछ भी नहीं है। तो ऐसी स्थिति में, इसे रखने के बजाये। इसे फेंकने की आवश्यकता है। ऐसी स्थिति में, अंडे के छिलके को सबसे पहले अपने घर के कूड़ेदान या किसी थैले में रखना चाहिए और जब भी कोई बाहर जाए तो जहां कचरा फेंकने के लिए उचित जगह हो, उसे फेंक देना चाहिए। दूसरा तरीका यह है कि पहले इसे घर के कूड़ेदान में रखें और जब सफाई मित्र आये तो उसको सौंप दें। ताकि वह उस कचरे को उचित जगह पर ही फेंके।

हालाँकि इस सबक का सीधे तौर पर "स्वच्छता अभियान मिशन" से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन फिर भी पाठको को ये समझना चाहिए की इस कथन में स्वच्छता की ओर एक इशारा है, अंडे के छिलकों को फेंकने के लिए सही जगह और उचित

www.dreamtopper.in

जगह क्या है। इसे समझना और जानना बहुत जरुरी है। हम न तो अंडे के छिलके को नाली में फेंक सकते है ,और ना तो कोट की जेब या मोजे में रख सकते है। मेरे अनुसार, इसे नाली में फेंकना इसलिए सही नहीं है क्योंकि नाली पानी के प्रवाह का एक माध्यम है, कोई कचरा संग्रह नहीं। फिर भी, यह कहा जा सकता है कि यदि पाठक विवेकपूर्ण हैं तो इस पाठ में, वो "स्वच्छता अभियान के मिशन" कि झलक और संकेत देख सकता है।

www.dreamtopper.in

11:1:1:प्रश्न - अभ्यास :8

8. स्वच्छता अभियान मिशन पर विद्यार्थी - अध्यापक - अभिभावको की उपस्थिति में बालसभा का आयोजन कीजिए।

उत्तर : स्वच्छता अभियान मिशन पर एक तरह की जन जागरूकता लाने के लिए, छात्रों को अपने शिक्षक की मदद से, अपने माता-पिता को शामिल कर के एक बाल सभा का आयोजन करना चाहिए। जिसमे बच्चो ,और किशोरो को साफ़ सफाई के प्रति सचेत करना चाहिए।

11:1:1:प्रश्न - अभ्यास :9

9. कमरे में कौन सी चीज कहाँ रखनी चाहिए ?

जैसे जंपर ,कोट ,कपड़ा ,जूता ,कॉपी - किताब ,कूड़ा - करकट (अंडे के छिलके)आदि।

www.dreamtopper.in

उत्तर : कमरे में हर चीज को अपने नियमित और निश्चित स्थान पर रखा जाना चाहिए, जो चीज जहाँ

रखने के लिए बनायी गयी है। उसी जगह उसे रखना चाहिए। ऐसा नहीं की गंदे कपड़े या गन्दी वस्तुएँ रसोईघर में रख दे और खाने की चीज़ो को गुसलखाने में रख दे ,जूतों को कपड़े की आलमारी में रख दे और कपड़ो को जूता रखने कि जगह में ,रख दे। घर में उपयोग होने वाली हर वस्तु को रखने का एक नियमित स्थान होता है जैसे - जंपर और कोट को कपड़ो की आलमारी में बने हैंगरों में लटका कर रखना चाहिए ,कपड़ो को अच्छे से तह लगा कर उसी आलमारी में रखना चाहिए ,गंदे कपड़ो को एक जगह इकठ्ठा कर के कपड़ा धोने वाले स्थान पर रखना चाहिए ,जूतों को घर के बाहर या जुता रखने वाली आलमारी में रखना चाहिए ,कॉपी - किताब को बुकशेल्फ में या किसी मेज के ऊपर सजा कर रखना चाहिए ,कूड़ा - करकट को डस्बिन में

www.dreamtopper.in

रखा जाना चाहिए, अंडे के छिलके को किसी किसी बैग में इकठ्ठा कर के फिर कचरे के डब्बे में रखना चाहिए और जल्द से जल्द सफाई मित्र को दे देना चाहिए।

www.dreamtopper.in